Roll No..... Total No. of Printed Pages : 8

Code No. : B02/509

Second Semester Online Examination, May-June, 2022

M. A. HINDI

Paper V

[जनपदीय भाषा एवं साहित्य (छत्तीसगढ़ी) भाग-II]

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : प्रत्येक इकाई में प्रत्येक प्रश्न का भाग *A* एवं *B* 'अतिलघु उत्तरीय प्रश्न' हैं, जिनके उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के भाग *C* 'लघु उत्तरीय प्रश्न' व भाग *D* 'दीर्घ उत्तरीय प्रश्न' के उत्तर निर्देशानुसार शब्द सीमा में दिये जाएँ।

इकाई-I

1. (A) सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी को ग्राम्यभाषा के पद से उठाकर साहित्यिक भाषा के पद पर अधिष्ठित करने वाले कवि का नामोल्लेख कीजिए। **2**

(B) 'रामवनवास' तथा 'बेटी के विदा' जैसे उत्कृष्ट छत्तीसगढ़ी रचना के साहित्यकार कौन थे ? उनका जन्म कब एवं कहाँ हुआ था ? **2**

P.T.O.

(C) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

काजर आंजे अलंगा डारे।

मूड़ कोराये पाठी पारे॥

पाँव रचाये बीरा खाये।

तरुवा में टिकली चटकाये॥

बड़का टेडुगा खोया पारे।

गोंदा खोंचे गजरा डाले॥

नगदा लाली मांग लगाये।

बेनी में फुंदरी लटकाये॥

(लघुउत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

पीछू अंग के घूका धीरे धीरे तोला उड़ाये।

डेरी बाजू उड़त पपीहा गुरतुल बोल सुनाये॥

गरभ धरे के इच्छा में बगुला मन धार लगाही।

देखे में सुन्दर अकास में उड़त उड़त लकठाही॥

(D) "मुकुटधर पाण्डेय द्वारा रचित 'मेघदूत' छत्तीसगढ़ी भाषा के भावी स्वरूप का दिशा निर्धारण करती हुई इसे अखिल भारतीय गरिमा प्रदान करती है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवाआलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

नारायण लाल परमार का जीवन परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई-II

2. (A) छत्तीसगढ़ी के प्रथम उपन्यासकार का नाम बताइए। उक्त उपन्यास का शीर्षक भी लिखिए। **2**

(B) दैनिक समाचार 'देशबंधु में साप्ताहिक' मंडई का सम्पादन करने वाले साहित्यकार का नाम लिखते हुए उनके एक गद्य संकलन का नाम बताइए। **2**

(C) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या दीजिए–

'एक दिन मनबोधवा के दाई हर अपन सउत सुकवारा के गोड़ ल धर के बम फार के रोइस, के दीदी। मोला आसिस दे के मोर पाप ल काट दे। मैं देवी दाई के ऊपर थूक डारे हौ। सुकवारा घला ओला रपोट के रोये लागीस। आंसू के पानी म सबके मइल घोवागे।"

(लघुउत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

'अभी फिरंतीन के पींवरइ ह नइ छूटे पाइस कि ओखर करम हा फाड़ गे, रांड़ी होगे। ओखर जिनगी के छंइहा ह तिरिया गे। फेर करतीस काय, भोगइ त ओखर भाग में रहय। पहिली ददा रेंग दिस अउ अब मनखे। जम्मों ये जग म अकेल्ला आये अउ अकेल्ला रेंग देथे। सियान मन सही कहिये।'

(D) "डॉ. पालेश्वर शर्मा छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और जीवन के प्रेमिल व्याख्याकार हैं।" इस कथा के आलोक में उनके गद्य–साहित्य की विवेचना कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवाआलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

परमानंद वर्मा द्वारा लिखित कहानी 'कउंवा, कबूतर अउ मनखे' की मूल संवेदना क्या है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

इकाई-III

3. (A) शहरी एवं ग्रामीण संस्कृति व सभ्यता के मिश्रण से उत्पन्न नई विसंगति को देखकर उस पीड़ा को गहरी संवेदना में व्यक्त करने वाले नाटककार का नाम लिखते हुए उनके नाटक का शीर्षक लिखिए। **2**

(B) छत्तीसगढ़ी भाषा के किस साहित्यकार को सन् 2021 में राज्य अलंकरण द्वारा पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया ? उन्होंने कौन-सी छत्तीसगढ़ी पत्रिका का सम्पादन किया। लिखिए। **2**

(C) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

तभो ले भइया का कहंव टूटहा करम अउ फूटीहा भाग ला। जिहां पहुँचेव उहां ले 'नो व्हेकेन्सी' 'गो अवे नॉट वान्टेड' कहि के धुतकार दिये गयेव। ततका म मोला हमर सगा बाबू साहेब मिलगे। कोनजनी भइया ने कोन जनम के धुनी पानी हारे रहेंव हो हव उंकर दर्शन होइस धन के बाबू साहेब ला, उनकर एके चिट्ठी मं। 'चकबंदी' महकमा के छोटे साहेब, एक ठिन तीस रुपीया के जगा दे दिस। अब ददा के धतंगा लगे हे, के तेरा सौ जडत मोर पढ़ाई मां लगे हे, तेला जल्दी कमा के छुटंव। घन रे किरहा करम के चिरहा कागद, एक विपत के हटत देर नहीं दुसर सवार 'बंबूर ले गिरेंव तब बोइर मं अटकेंव जस के तस।"

(लघुउत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

ये बात मय कब्भू नई जान पायेंव। तय ठीक पूछे, काय करत हव...बताव पन गोड में खड़ा होय के परयत्न करत हंव। पुरुष जाति के आधिपत्य ले निकरे के परयत्न कटत हंव। पुरुष परधान समाज के सत्ता ल ललकारत हंव।

(D) "नारी शक्ति को विश्व स्तर पर प्राचीनकाल से ही स्वीकार किया गया है फिर भी वह बंधक कठपुतली क्यों बनी हुई है।" इस कथन के आलोक में एकांकी परेमा की समीक्षा कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवाआलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

हरि ठाकुर द्वारा रचित खण्डकाव्य के आधार पर शहीद वीर नारायण सिंह के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई-IV

4. (A) 'आरुग फूल' किस प्रकार की विधा है, इसके लेखक का नाम भी बताइए। **2**

(B) उपन्यासकार परदेशीराम वर्मा की दो औपन्यासिक विशेषताएँ लिखिए। **2**

(C) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

"बात अइसन हे दाउ-आगी खाही तेन अंगरा हगवे करही। अंग्रेज तो मटियामेट करना चाहत हे। खन के गड़िया देतिस गांधी ल। फेर जनता जनार्दन के गांधी कोन हाय लगाये सकही दाउ। जब तक ये देश ल आजादी नई मिलही, गांधील काल छुये तक नइ सकय। उदगरे हे गांधी हमला आजाद करे बर। भगवान ताय। आजादी के लीला दिखाही अउ अपन लोक जाही।"

(लघुउत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

देखो जी, तेली-कुरमी, कोष्टा कोनो उचहां जात तो आय। पिछड़ा माने जाथे दूसर परदेश म। फेर कहे गे रमायन म जो प्रतिपालय सोइ नरेसू। जउन पाल॰ थे तौन राजा। धन और धान ह बनाथे जात ल। इहां कोष्टा, पटेल, लोधी, कुरमी, तेली मालगुजारी करेंव। धन वाला हव। सब तुमही मन उंचहा हो गेव। तेकरे सेती चार पांच पोटहर जात ल मिंझार के पूछेव। रजपूत अउ बाम्हन गांव गांव नइये।'

(D) परदेशी राम वर्मा का परिचय देते हुए उनके कृतित्व पर एक नाति दीर्घ निबंध लिखिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवाआलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

"आवा" एक गांधीवादी विचारधारा पर आधारित उपन्यास है। इस कथन की विवेचना कीजिए।

❐ ❐ ❐ ❐ ❐ d ❐ ❐ ❐ ❐ ❐